

**उद्देश्य** - इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत ( स्वरवाद्य ) के प्रयोगात्मक पक्ष का प्रारम्भिक ज्ञान देकर उनमें शास्त्रीय संगीत के ज्ञान की नींव डालना है।

क्र० सं०	कोर्स का नाम	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
2	प्रयोगात्मक	बी०ए०एम०आई०-102	100	9
प्रथम खण्ड	प्रदर्शन - 1 ( यमन )			
	* इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार।			
	* इकाई 2 - मसीतखानी गत ( आलाप व तोडे सहित )।			
	* इकाई 3 - रजाखानी गत ( आलाप व तोडे सहित )।			
द्वितीय खण्ड	प्रदर्शन - 2 ( भैरव एवं बिलावल )			
	* इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार।			
	* इकाई 2 - रजाखानी गत ( आलाप व तोडे सहित )।			
तृतीय खण्ड	पढन्त एवं मौखिक परीक्षा			
	* इकाई 1 - तालों की पढन्त।			
	* इकाई 2 - तालों के ठेकों को लयकारी (दुगुन व चौगुन) में पढना।			
	इकाई 3 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			
राग - यमन, भैरव व बिलावल		ताल - तीनताल, एकताल व चारताल		

सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री -

1. वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, 30 प्र० ।
2. हरीश चन्द्र श्रीवास्तव, राग परिचय (सभी भाग), संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद ।
3. श्रीमती शान्ति गोवर्धन, संगीत शास्त्र दर्पण ।
4. पं० विष्णु नारायण भातखण्डे, भातखण्डे क्रमिक पुस्तक मालिका (सभी भाग), संगीत कार्यालय, हाथरस, 30 प्र० ।